Skill – 20

सच बोलना

जब आप कुछ कहते हैं तो चाहे वह सही हो या गलत, आपको सत्य बोलना चाहिए। सत्य बोलने से दूसरे लोग आप पर भरोसा करने लगते हैं। आपके कहने पर यदि उन्हें विश्वास होगा तो वो आप पर भरोसा करेंगे। कई बार किसी घटना में आपके योगदान को लेकर, लोग आपसे प्रश्न कर सकते हैं। ऐसे में सत्य बोलने के लिये आपको :–

1. व्यक्ति की आँखों में देखना चाहिए।
2. यदि आपसे सूचना माँगी जा रही है तो आपको घटना की सही जानकारी देनी चाहिए।
3. अन्य प्रश्नों के भी जवाब देना चाहिए। प्रश्नों का संबंध, आपने जो किया है या नहीं किया है उससे हो सकता है या किसी और ने जो किया है या नहीं किया है उससे हो सकता है।
4. महत्वपूर्ण तथ्यों को नहीं भूलना चाहिए।
5. यदि आपने गलतियाँ की हैं, तो उन्हें स्वीकार करना चाहिए।

सच बोलना महत्वपूर्ण होता है क्योंकि जिन लोगों ने आप पर पहले विश्वास किया है, वो आपको एक और मौका दे सकते हैं। हम सभी से गलतियाँ होती हैं, लेकिन झूठ बोलने से परेशानियाँ और बढ़ सकती हैं। यदि आपको झूठ बोलने वाले व्यक्ति की ख्याति प्राप्त हो जाती है तो लोगों को आपके कथन पर विश्वास करना मुश्किल होता है। इसके साथ ही, जब आप बोलते हैं तो आपको यह विश्वास होता है कि आपने कोई सही काम किया है।

उपयोगी बातें

- सच बोलना कठिन होता है। कई बार ऐसा लगता है कि किसी स्थिति से मुक्त होने के लिए झूठ का रास्ता अच्छा है। जब लोगों को पता चलता है कि आपने झूठ बोला था तब उसके नतीजे अधिक हानिकारक होते हैं।
- सच बोलने का विपरीत है झूठ बोलना। झूठ बोलना चोरी करने व बेइमानी करने के समान होता है। इन सभी के परिणाम आपके लिए नकारात्मक हो सकते हैं।